NEED 24 NEWS
हर खबर, हर शहर

ताज़ा खबर | वर्ष-01 अंक-180 | संपादक: Mukesh Giri | 29 जून 2026

वीर भूमि झारखंड

टेक्नोलॉजी

राष्ट्रीय AI मिशन के लिए ₹10,372 करोड़ से अधिक की मंजूरी

भारत सरकार ने देश में AI विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन के लिए ₹10,372 करोड़ से अधिक का आवंटन किया है।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन को एक बड़ी वित्तीय प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया है। इस रणनीतिक पहल के लिए ₹10,372 करोड़ से अधिक का परिव्यय स्वीकृत किया गया है। यह महत्वपूर्ण निवेश विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रगति को बढ़ावा देने पर सरकार के ध्यान को रेखांकित करता है। मिशन का उद्देश्य राष्ट्रीय विकास और तकनीकी प्रगति के लिए AI का लाभ उठाना है। इस आवंटन से AI प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, विकास और कार्यान्वयन को समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत वैश्विक AI परिदृश्य में एक अग्रणी स्थान हासिल कर सकेगा।

स्रोत: jharkhandstatenews.com

चित्र: Wikimedia Commons / Michael Gäbler

बिज़नेस

झारखंड में महिलाओं के ग्रामीण उत्पादों को 'सरस' ब्रांडिंग मिली

खबरें एआई द्वारा स्रोतों से संकलित। चित्र स्रोत सहित।

चित्र: Wikimedia Commons / TV10

झारखंड में महिलाओं द्वारा संचालित ग्रामीण उद्यमों से उत्पन्न उत्पादों को आधिकारिक तौर पर 'सरस' ब्रांड के तहत ब्रांडेड किया गया है। यह ब्रांडिंग पहल इन महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के लिए एक एकीकृत पहचान प्रदान करने के लिए बनाई गई है। 'सरस' ब्रांड का उद्देश्य इन ग्रामीण उत्पादों की बाजार उपस्थिति को बढ़ाना है, जिससे संभावित रूप से व्यापक उपभोक्ता आधार तक उनकी अपील बढ़ सकती है। इस कदम से इन ग्रामीण उपक्रमों में शामिल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का समर्थन होने की उम्मीद है। उत्पादों के विशिष्ट प्रकारों और विभिन्न बाजारों में 'सरस' ब्रांड के rollout के संबंध में अतिरिक्त विवरण इस पहल के विकास का हिस्सा हैं।

स्रोत: jharkhandstatenews.com

स्वास्थ्य

झारखंड: 3 अस्पतालों को कॉर्नियल प्रत्यारोपण की मंजूरी

झारखंड राज्य सरकार ने प्रदेश के तीन अस्पतालों को कॉर्नियल प्रत्यारोपण (कॉर्निया ट्रांसप्लांट) करने के लिए आधिकारिक मंजूरी प्रदान कर दी है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे राज्य भर में कॉर्निया की समस्याओं से पीड़ित व्यक्तियों के लिए आवश्यक नेत्र सर्जरी की उपलब्धता बढ़ेगी। यह मंजूरी झारखंड के भीतर विशेष चिकित्सा सेवाओं के विस्तार को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य ऐसे उपचारों के लिए मरीजों को अन्यत्र जाने की आवश्यकता को कम करना है। अब अधिकृत अस्पताल इन जीवन बदलने वाली प्रक्रियाओं की पेशकश करने के लिए तैयार होंगे, जिससे कई...

स्रोत: jharkhandstatenews.com

स्थानीय

पलामू अभयारण्य में झारखंड की जनजातीय परंपराएं बाघ संरक्षण को मजबूत करती हैं

झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व में निवास करने वाले आदिवासी समुदाय अपनी गहरी पारंपरिक प्रथाओं के माध्यम से बाघों के संरक्षण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। ये स्वदेशी रीति-रिवाज क्षेत्र में बाघों की आबादी की सुरक्षा के प्रयासों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। इन पारंपरिक तरीकों को आधुनिक संरक्षण रणनीतियों के साथ एकीकृत करने से वन्यजीव संरक्षण के लिए एक अनूठा दृष्टिकोण सामने आता है। स्थानीय आदिवासी आबादी, वन पारिस्थितिकी तंत्र के अपने अंतर्निहित ज्ञान के साथ, रिजर्व की जैव विविधता की रक्षा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। सांस्कृतिक विरासत और पारिस्थितिक संरक्षण के बीच यह तालमेल सफल संरक्षण परिणामों...

स्रोत: The Indian Tribal

चित्र: Wikimedia Commons / Devo745

खबरें एआई द्वारा स्रोतों से संकलित। चित्र स्रोत सहित।